

**साइड** पुं. (अं.) 1. पार्श्व, बगल 2. फलक, सतह 3. ओर, तरफ 4. दाहिना या बायाँ भाग 5. पक्ष 6. किसी निर्णायक/विभाजक रेखा के आर या पार।

**साइत** स्त्री. (देश.) शुभ लग्न, शुभ समय, मुहूर्त।

**साइन** पुं. (अं.) चिह्न, निशान 2. प्रतीक 3. गणितीय चिह्न (जैसे- +, -, x आदि) 4. लक्षण 5. हस्ताक्षर 6. सांकेतिक शब्द।

**साइन बोर्ड** पुं. (अं.) दुकान आदि का नाम-पट्टा।

**साइनि** स्त्री. (देश.) साथी उदा. सखी साइनि मोरी हँसत हैं-मीरा।

**साइयाँ** पुं. (देश.) स्वामी उदा. जिसको राखे साइयाँ, मार सके न कोई।

**साइर** पुं. (देश.) समुद्र।

**साइरन** पुं. (अं.) भौंपू।

**साई** स्त्री. (तद्.) 1. कार्य कराने के लिए दिया गया अग्रिम, पेशगी धन उदा. बाजे वाले को सौ रुपए साई दे दे 2. साईकाँटा नामक एक वृक्ष।

**साई-काँटा** पुं. (तद्.) लंबे खड़े काँटों वाली साही, साई जंतु के काँटों के समान काँटों वाला एक वृक्ष।

**साई-दोह** पुं. (देश.) स्वामी के प्रति द्रोह करने वाला।

**साईस** पुं. (अर.) घोड़ों की देखभाल करने वाला।

**साउज** पुं. (तद्.) जंगली पशु जिनका शिकार किया जाता है।

**साऊ** पुं. (देश.) 1. महाजन, साहूकार 2. श्रेष्ठ व्यक्ति उदा. मोसों कहत मोल को लीनो, आप कहावत साऊ-सूरसागर।

**साएर** पुं. (देश.) 1. सागर 2. सायर।

**साकंभरी** पुं. (देश.) झील।

**साक** पुं. (देश.) साग, सब्जी, भाजी, तरकारी।

**साकत** पुं. (तद्.) 1. शाक्त मत का अनुयायी 2. वह जो मद्य, मांस आदि का सेवन करता हो 3. वह जिसने गुरु से दीक्षा न ली हो।

**साकर** स्त्री. (देश.) 1. साँकल 2. शक्कर।

**साकल्य** पुं. (देश.) सकलता, समग्रता, संपूर्णता।

**साकचेरि** स्त्री. (देश.) मेंहदी, हिना।

**साकवर** पुं. (देश.) बैल, वृषभ।

**साकांक्ष** वि. (तत्.) 1. आकांक्षा वाला, इच्छुक 2. (वस्तु आदि) जिसे किसी अन्य वस्तु आदि की अपेक्षा हो व्या. जिसके लिए पूरक पद आवश्यक हो काव्य. एक अर्थ दोष, वाक्य द्वारा अभीष्ट अर्थ की अभिव्यक्ति न हो पाने में कुछ शब्दों की कमी होना, उनकी आकांक्षा होना।

**साका** पुं. (तद्.) 1. संवत्, शाका 2. ख्याति, प्रसिद्धि 3. कीर्ति, यश 4. बड़ा काम जिससे कर्ता का यश फैला हो मुहा. साका पूजना- किसी अभीष्ट कार्य का संपन्न होना उदा. आजु आइ पूजी वह साका-जायसी।

**साकार** वि. (तत्.) 1. आकारवाला, आकारयुक्त 2. विशेषतः ऐसा अमूर्त, असांसारिक या पारलौकिक जीव या तत्त्व जो मूर्त रूप धारण करके पृथ्वी पर अवतरित हुआ हो 3. मोटा, स्थूल 4. किसी कल्पना, योजना या बात का कार्यान्वित प्रत्यक्ष रूप।

**साकारोपासना** स्त्री. (तत्.) ईश्वर की वह उपासना जो उसका कोई आकार या मूर्ति बनाकर की जाती है, निराकार उपासना से भिन्न।

**साकि** वि. (अर.) 1. पथिक, राहगीर 2. मुसलमानों में एक साधक जो गृहस्थ होते हुए भी ईश्वर की आराधना में तल्लीन रहता है।

**साकिट/साँकेट** पुं. (अं.) किसी वस्तु को बैठाने या उसके घूमने के लिए बना खोखला स्थान या गड्ढा, कोटर।

**साकिन** वि. (अर.) 1. एक ही स्थान पर स्थिर रहने वाला, अचल 2. जो चलता-फिरता या हिलता-डोलता न हो, गति-रहित 3. विशिष्ट स्थान पर निवास करने वाला उदा. रहीम साकिन दिल्ली।

**साकी** वि. (अर.) 1. वह जो लोगों को मद्य का पात्र भर कर देता और हुक्का पिलाता हो, शराब